

न्यायालय सहायक कलक्टर (गु०) सीकर  
पीठासीन अधिकारी :- कुणाल राहड़, आर०ए०एस०

वाद सं :: 91/2023

नागरगल पुत्र कजोड़ उम्र 50 वर्ष जाति कुमावत नि० ग्राम सांगरवा तहसील दांतारामगढ़,  
जिला सीकर।

- वादी,

बनाम

1. ग्यारसीलाल पुत्र कजोड़ | समस्त जाति कुमावत नि० सांगरवा तहसील
2. रोहिताश पुत्र छिगन | दांतारामगढ़, जिला सीकर।
3. राजेश पुत्र बनवारी |
4. गुलझारी पुत्र केशर |
5. रामदेव पुत्र भागीरथ |
6. मुकेश | पुत्रगण |
7. अशोक | स्व० गिरधारी |
8. दिनेश | |
9. पटवारी प०ह० सांगरवा तहसील दांतारामगढ़, सीकर।
10. तहसीलदार, दांतारामगढ़, जिला सीकर।

- प्रतिवादीगण

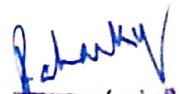
उपस्थित :- . श्री रतनलाल, वकील वादी की ओर से।

दावा बाबत उद्घोषणा तथा स्थाई निषेधाज्ञा अंतर्गत धारा  
88,188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955.

निर्णय

दिनांक :: 11/12/2024

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। वाद का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है कि कृषि भूमि ख०नं० 226 रकबा 0.7800 है० ख०नं० 227 रकबा 0.3800 है० वाके ग्राम सांगरवा प०ह० सांगरवा भू०अ०नि० रैवासा तह० दांतारामगढ़, सीकर में अवस्थित है, जिसके पुराने ख०नं० 219 रकबा 4 बीघा 17 बिस्वा राजस्व रिकॉर्ड में अंकित रहे है। वाद की मद सं० 2 अनुसार वादी व प्रति०सं० 1 ता 8 की वंशावली है। विवादित भूमियां वादी एवं प्रति०सं० 1 ता 8 की पैतृक कृषि भूमियां है, जिसकी खातेदारी पूर्व में पड़दादा महादेव पुत्र रामू के खाते कब्जे काश्त में रही है, उनकी मृत्यु क बाद खातेदारी उसके तीन पुत्रों बोदू, केशर, भागीरथ के नाम राजस्व रिकार्ड में विरासतन अंकित कर दी गई। जबकि महादेव के एक पुत्र कालूराम और था, जिसका नाम खातेदारी मे भूल व सहवन से अंकित नहीं हो पाया। किन्तु मौके पर कब्जा काश्त चारों पुत्रों बोदू, केशर, भागीरथ एवं कालू का 1/4, 1/4 चला

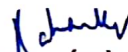


आ रहा है। कालान्तर में बोद्धू, केशर, भागीरथ एवं कालूराम की मृत्यु के बाद उनके विधिक वारिसान वादी एवं प्रतिवादीगण सं० 1 ता 8 मौके पर काबिज होकर काशत करते चले आ रहे है। वादी द्वारा वाद पत्र पेश कर वाद की मद सं० 11 की उप मद क,ख,ग व घ अनुसार वाद वादीगण डिकी करने हेतु निवेदन किया है।

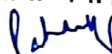
वाद पत्र पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये समन तलब किये जाने पर प्रति०सं० 1 लगायत 10 बाबजूद रजिस्टर्ड तामील उपस्थित नहीं आए । रजिस्टर्ड तामील हाजिर नहीं आने पर उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। वकील वादी द्वारा साक्ष्य में स्वयं का शपथ पत्र पेश किया गया। प्रकरण में विवादित आराजी के कब्जे की रिपोर्ट तहसीलदार,दांतारामगढ़ ली जाने पर तहसीलदार, दांतारामगढ़ ने जरिये पत्रांक भू०अ०/२४/५५१७ दिनांक २४.१०.२४ के द्वारा रिपोर्ट भिजवाई गई,जिसमें प०ह० सांगरवा द्वारा रिपोर्ट की गई है कि ग्राम सांगरवा के ख०नं० २२६, २२७ के मौके पर उपस्थित खातेदार नागरमल कुमावत पुत्र कजोड़मल, ग्यारसीलाल पुत्र कजोड़मल एवं अन्य मौत विरानों की उपस्थित में उक्त खसरा नम्बरान का मौका निरीक्षण किया गया, मौके पर किसी खातेदार ने कोई आवासीय मकानात नहीं बना रखा है, उक्त खसरा नम्बर में बाहमी बंटवारे की न कोई मौके पर सीव-नीव बनी हुई है तथा मौके पर भूमि पड़त होना बताया है।

बहस वकील उमय पक्ष सुनी गई। पत्रावली में उपलब्ध राजस्व रिकार्ड, साक्ष्य में प्रस्तुत शपथ-पत्र एवं रिपोर्ट तहसीलदार, दांतारामगढ़ पत्रांक भू०अ०/२४/५५१७ दिनांक २४.१०.२४ का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से जाहिर है कि विवादित भूमियां पैत्रिक भूमिया है तथा कालूराम के मृत्यु प्रमाण से भी जाहिर है कि मृतक कालूराम महादेव का ही पुत्र है। तहसीलदार, दांतारामगढ़ द्वारा मौके पर भूमि पड़त होना बताया है। इस प्रकार वादी का वाद वादी के पक्ष में साबित होना पाया जाता है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर वाद वादी स्वीकार किया जाकर आराजी भूमियां ख०नं० २२६ रकबा ०.७८०० है०, ख०नं० २२७ रकबा ०.३८०० है० वाके ग्राम सांगरवा, प०ह० सांगरवा, भू०अ०नि० रैवासा तहसील दांतारामगढ़, जिला सीकर में से वादी व प्रतिवादी सं० १ को १/४, प्रति०सं० २ व ३ को १/४, प्रति०सं० ४ को १/४ हिस्से तथा प्रति०सं० ५ को १/८, प्रति०सं० ६ ता ८ को संयुक्त रूप से १/८ भाग का खातेदार,काशतकार उद्घोषित कर तहसीलदार, दांतारामगढ़,सीकर को आदेशित किया जाता है कि उक्तानुसार राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद करावे। पत्रावली फैशल शुमार होकर नंबर से कम हो। बाद तकमील कागजात दाखिल दफ्तर हो।

  
सहायक कलक्टर (मु०) सीकर

निर्णय आज दिनांक ११.१२.२०२४ को सरे इजलास सुनाया गया।

  
सहायक कलक्टर (मु०) सीकर